5 सवाल बालमन के, जवाब डॉ. कलाम के

प्रश्नोत्तर शैली में प्रस्तुत यह साक्षात्कार डॉ. अबुल पाकिर जैनुलाबदीन अब्दुल कलाम से बच्चों की बातचीत पर आधारित है। यह बातचीत तब संपन्न हुई थी जब डॉ. कलाम राष्ट्रपति पद पर आसीन थे। वे बच्चों की जिज्ञासाओं का तुरंत उत्तर देने के लिए सदैव तत्पर रहते थे।

प्रश्नकर्ता : आर. अरविंद, कक्षा : तीन, सेंट मेड्स स्कूल, चेन्नई।

क्या आप अपने बचपन की कोई यादगार घटना हमें सुना सकते हैं?

डॉ. कलाम : कक्षा पाँचवीं के मेरे शिक्षक श्री शिवसुब्रह्मण्य अय्यर की एक बात मुझे याद है। एक दिन कक्षा में वे हमें यह बता रहे थे कि कोई पक्षी कैसे उड़ता है। उन्होंने हमें रामेश्वरम के समुद्र तट पर ले जाकर इसका जीवंत उदाहरण दिया। वह ऐसी यादगार घटना थी, जो मेरे मन-मस्तिष्क में हमेशा के लिए बैठ गई। इसी से मुझे आगे विज्ञान पढ़ने की प्रेरणा मिली।

प्रश्नकर्ता : सरयू मकर, कक्षा : पाँच, वाल्मीकि नगर हिंदी माध्यमिक शाला, नागपुर

बचपन में हमें किस भाषा को प्रमुखता देनी चाहिए ?

डॉ. कलाम : मैंने स्वयं माध्यमिक शिक्षा तक की पढ़ाई अपनी मातृभाषा के माध्यम से पूरी की है। कॉलेज और उससे आगे की शिक्षा अंग्रेज़ी माध्यम की संस्थाओं में हुई। मेरा मानना है कि हम कॉलेज में भी माध्यम के रूप में मातृभाषा का चुनाव कर सकते हैं। क्योंकि युवा अपनी मातृभाषा में ही सोचता है। उसी में अपनी बात सहजता से कहने में सक्षम होता है। पर इसमें कोई भी दो राय नहीं कि वैश्विक स्तर पर संपर्क के लिए हमें अंग्रेजी जैसी एक संपर्क भाषा की नितांत आवश्यकता है।

प्रश्नकर्ता : अर्श पटेल, कक्षा : पाँच, चंदुलाल विद्यामंदिर, मुंबई।

यदि हम आपकी तरह बनना चाहें तो हमें क्या करना चाहिए ?

डॉ. कलाम : जब आप युवा अवस्था में कदम रखें तभी आपको जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर लेना होगा। हमेशा कुछ बड़ा सोचो। जैसे ही यह अनुभूति हो कि आप आखिर बनना क्या चाहते हैं, तभी से उस दिशा में प्रयास और श्रम प्रारंभ कर दो। कहने का अर्थ है कि जी-तोड़ मेहनत करो। ज्यों-ज्यों आप आगे की ओर बढ़ोगे, आपका सामना बाधाओं तथा कठिनाइयों से होगा। आपको अपने अंदर दृढ़ साहस पैदा करना होगा। समस्याओं को पराजित करने में महारत हासिल करनी होगी। तभी जीवन में सफल हो पाओगे। पहले यह ज़रूरी है कि आप निरंतर ज्ञान अर्जित करो।

प्रश्नकर्ता : चिराग जैन, कक्षा : सात, बांबे कैंब्रिज, अंधेरी (पश्चिम), मुंबई।

वह कौन-सी बड़ी चुनौती है, जिसका सामना हमें आज करना पड़ रहा है ?

डॉ. कलाम : भारत को सन् 2020 तक एक विकसित राष्ट्र के रूप में परिवर्तित करना और देश के एक अरब से अधिक नागरिकों के चेहरों पर मुसकान देखना। यही राष्ट्र के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती है।

प्रश्नकर्ता : हर्ष चांडक, कक्षा : सात, डॉ. एस. राधाकृष्णन विद्यालय, मलाड, मुंबई।

आपकी दृष्टि में साहस की परिभाषा क्या है ?

डॉ. कलाम : अपनी जान की परवाह किए बिना दूसरों को संकट या आपदा से बचाना ही साहस है।

प्रश्नकर्ता : तरुण पटेल, कक्षा : आठ, स्वामीनारायण इंडिपेंडेंट स्कूल, लंदन।

हम प्रवासी भारतीय मातृभूमि के प्रति गर्व की भावना कैसे विकसित करें ?

डॉ. कलाम : भारतीय मूल का कोई भी व्यक्ति एक बृहद् भारतीय परिवार का अंग है और उसे हमारे देश की सांस्कृतिक विरासत पर गर्व है। सौभाग्य से आप लोग ऐसी स्थिति में हैं कि अपनी मातृभूमि से अच्छी तरह से जुड़े हुए हैं और यही आपके लिए गौरव की बात है।

प्रश्नकर्ता : सत्यम, कक्षा : दस, ज़िला स्कूल, मुंगेर।

जो भी बच्चे आपसे मिलते हैं, वे कहते हैं कि वे एक प्रसिद्ध वैज्ञानिक, इंजीनियर, डॉक्टर आदि बनना चाहते हैं पर किसान, मज़दूर और कलाकार भी किसी राष्ट्र के लिए उतने ही महत्त्वपूर्ण हैं। हम ऐसे ही परिवारों से आते हैं। हमारे लिए आपका क्या संदेश है ?

डॉ. कलाम : किसान, मज़दूर, कलाकार और दस्तकार-ये सभी हमारे राष्ट्र के अभिन्न अंग हैं। राष्ट्र निर्माण में हमें उन सभी की सेवाओं की समान रूप से दरकार है। आप सभी को चाहिए कि अपने-अपने क्षेत्रों में खूब उन्नति करें।

प्रश्नकर्ता : रोहित चतुर्वेदी, कक्षा : 11, इस्लामिया इंटर कॉलेज, इटावा।

आप कहते हैं कि भारत 2020 तक विकसित राष्ट्र बन जाएगा पर निरंतर बढ़ती जनसंख्या और बेरोजगारी इसे संभव होने देगी ?

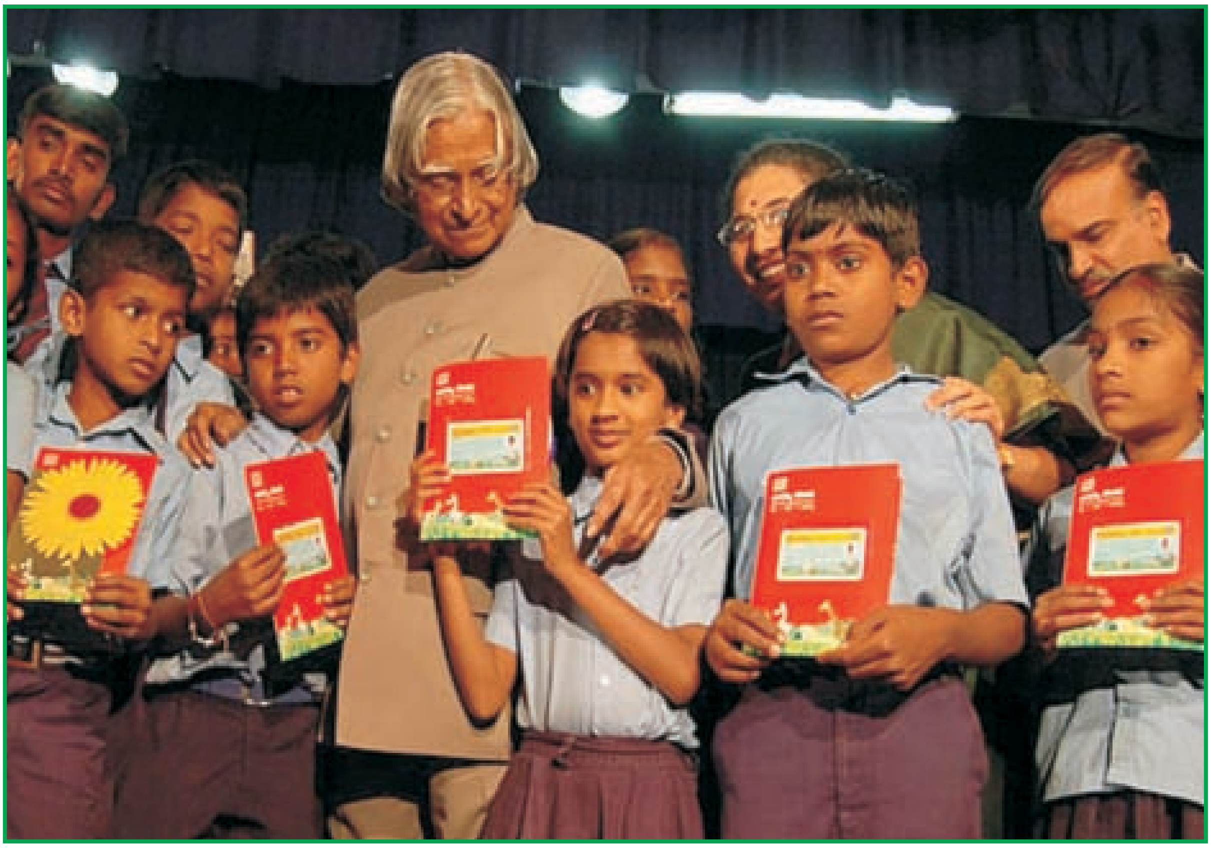

डॉ. कलाम : विकास स्वयं जनसंख्या वृद्धि को रोकने की अचूक औषधि है। इसमें जनशिक्षा विशेषकर स्त्री–शिक्षा की बात भी सम्मिलित है। इससे 'छोटा परिवार–सुखी परिवार' की मान्यता को बल मिलता है। भारत 2020 का मिशन यहाँ के युवाओं को रोज़गार के पर्याप्त अवसर सुलभ कराएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में उद्योग–धंधे स्थापित किए जाएँगे, जिससे उन क्षेत्रों में रोज़गार के प्रचुर अवसर पैदा होंगे।

प्रश्नकर्ता : अर्श मेहता, कक्षा : 12, तेजस हाईस्कूल, बड़ौदा।

आपको ऐसा क्यों लगता है कि 2020 तक भारत विकसित राष्ट्र बन जाएगा ?

डॉ. कलाम : भारत की जनसंख्या एक अरब से अधिक है। इसमें 54 करोड़ लोग 25 वर्ष से कम आयु के हैं। ये हमारी राष्ट्रीय शक्ति हैं। भारत को 2020 तक विकसित राष्ट्र में परिवर्तित करने के लिए हमारे पास प्रचुर प्राकृतिक संसाधनों के साथ ही सुनियोजित खाका भी उपलब्ध है। 54 करोड़ युवाओं के विचारों की एकता निश्चय ही इसे विकसित राष्ट्र में परिवर्तित करने में सफल होगी।

प्रश्नकर्ता : एस. कार्तिक, कक्षा : 12 अमर ज्योति इंग्लिश स्कूल, बंगलूरु।

कई छात्रों के बड़े-बड़े लक्ष्य होते हैं पर आर्थिक तथा अन्य समस्याओं के कारण वे इन्हें प्राप्त नहीं कर पाते। वे अपना लक्ष्य आखिर कैसे प्राप्त करें ?

डॉ. कलाम : स्कूल में पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन करने पर छात्रवृत्ति प्राप्त होगी। साथ ही उच्च शिक्षा के लिए बैंकों से ऋण लेने हेतु पात्रता भी बनेगी। जीवन में ऊँचा लक्ष्य निर्धारित करने पर बाधाएँ तो आती ही हैं। हमें कठोर परिश्रम और उत्कृष्ट कार्यों से इन्हें पराजित करना होगा। विघ्न-बाधाओं से व्यक्ति को पराजित नहीं होना चाहिए।

प्रश्नकर्ता : मिथुन के. द्वितीय वर्ष (बी लेवल) ए.आई.सी.टी. अमृतापुरी।

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में राजनीतिज्ञ की क्या भूमिका होनी चाहिए ?

डॉ. कलाम : ज़िम्मेदार राजनीतिज्ञ दूरदर्शितापूर्ण नीतियाँ बनाता है। महात्मा गांधी ने निष्ठा के राजनीतिक सिद्धांत को सत्य, अहिंसा तथा नि:स्वार्थ भावना में ढालते हुए ब्रिटिश शासकों के विरुद्ध अपनी लड़ाई छेड़ी थी। वर्तमान राजनीतिज्ञों को अपने कठिन परिश्रम, उत्कृष्टता और पारदर्शी कार्यों से मार्गदर्शन देना होगा। साथ ही गरीबी-रेखा से नीचे रह रहे लगभग 26 करोड़ भारतीयों के उत्थान के लिए भी कार्य करना होगा।

प्रश्नकर्ता : सी. नंदिता सूबी, तृतीय वर्ष, एम.जी.आर. इंस्टीट्यूट, चेन्नई।

रक्षा की दृष्टि से विजन 2020 का लक्ष्य पाने में महिलाओं की क्या भूमिका हो सकती है ?

डॉ. कलाम : विज़न 2020 में रक्षा अनुप्रयोग के क्षेत्र की महत्त्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों के विकास पर विचार किया गया है। राष्ट्रीय सुरक्षा की बात भी विज़न 2020 का एक अभिन्न अंग है। सशस्त्र सेनाओं में नियुक्ति के लिए पुरुष और महिला के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जाता। तीनों सेनाओं में पर्याप्त महिला अधिकारी नियुक्त हैं। राष्ट्रीय रक्षा क्षमताओं में वृद्धि के लिए महिलाएँ उच्च स्तरीय सामरिक सेना बहुगुणक उपकरणों पर कार्य करके भी अपना सहयोग दे सकती हैं।

प्रश्नकर्ता : जोधपुर दौरे पर डॉ. कलाम से एक बच्चे द्वारा पूछा गया प्रश्न।

क्या हम अतिविशिष्ट व्यक्तियों के दौरे पर हो रहे अनावश्यक खर्चे कम नहीं कर सकते ?

डॉ. कलाम : तुमने इस मंच पर एक बड़ी-सी कुरसी देखी होगी। वह कुरसी अब यहाँ पर नहीं है। ठीक ऐसे ही अनुत्पादक चीज़ों पर हो रहे अनावश्यक खर्च भविष्य में नहीं होंगे।

शब्दार्थ

जीवंत जीवित, जीता-जागता **मातृभाषा** माँ/परिवार की भाषा **वैश्विक** विश्व संबंधी **बृहद्** बड़ा, महान, भारी **विरासत** धरोहर **दस्तकार** शिल्पकार **दरकार** जरूरत **उत्कृष्ट** उत्तम, श्रेष्ठ **विघ्न** बाधा, अड़चन **पारदर्शी** जिसके आर-पार देखा जा सके **बहुगुणक** बहुत अधिक (संख्या में) **निष्ठा** श्रद्धा, विश्वास **अनुत्पादक** जो उत्पन्न न करे **अतिविशिष्ट** बहुत महत्त्वपूर्ण **सामरिक** समर या युद्ध से सम्बन्ध रखनेवाला **खाका** ढाँचा, नकशा, मसौदा, आलेख **प्रचुर** पर्याप्त

अभ्यास

1. प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) यदि आप इन प्रश्नकर्ताओं में होते तो आप कौन-कौन से प्रश्न पूछते ?

(2) डॉ. कलाम ने अपने बचपन की कौन-सी यादगार घटना सुनाई ?

(3) आपकी यादगार घटना बताइए।

(4) अपना लक्ष्य प्राप्त करने के लिए आप क्या-क्या करते हैं ?

(5) किसी को मुसीबत में देखकर आप क्या करते हैं ?

2. परिच्छेद को शुद्ध रूप से पढ़िए और सुंदर अक्षरों में लिखिए :

व्यायाम करते समय कुछ सावधानियाँ बरतनी चाहिए। प्रात:काल शौचादि से निवृत्त होकर, खाली पेट व्यायाम करना चाहिए। व्यायाम के समय शरीर के सभी अंग-प्रत्यंग प्रभावित होने चाहिए; अन्यथा अंगों की सुड़ौलता एवं शक्ति में असंतुलन आ जाता है। श्वास लेने और छोड़ने की प्रक्रिया व्यायाम के अनुसार ध्यानपूर्वक करनी चाहिए किन्तु यदि श्वास फूलने लगे तो तत्काल व्यायाम बन्द कर देना चाहिए। व्यायाम में नियमितता का होना अत्यंत आवश्यक है।

3. बचपन में हमें किस भाषा को प्रमुखता देनी चाहिए? मातृभाषा या अंग्रेजी? क्यों ?

4. अनुमान लगाओ तुम 2020 में हो। अपने आस-पास क्या देख रहे हो? अपने विचार प्रस्तुत कीजिए ।

स्वाध्याय

1. प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) पढ़े हुए से देखा हुआ ज्यादा याद रह जाता है ? क्यों ?

(2) भाषा के विषय में डॉ. कलाम ने क्या बताया ?

(3) चिराग जैन ने डॉ. कलाम से क्या पूछा?

(4) राष्ट्र विकास में महिलाओं का क्या योगदान है ?

(5) किसी भी देश के लिए सेना का क्या महत्त्व है ?

2. मुहावरों का अर्थ देकर वाक्य में प्रयोग कीजिए :

जी तोड़ मेहनत करना, महारत हासिल करना

3. रूपरेखा के आधार पर कहानी लिखिए :

एक ब्राह्मण स्त्री – नेवला पालना – पानी भरने को बाहर जाना – लौटने पर नेवले का मुँह खून से भरा देखना – बच्चे की हत्या की शंका – नेवले पर घड़ा पटकना – बच्चे को जिन्दा पाना – पास ही मरा हुआ साँप पाना – पछतावा – सीख।

4. मातृभाषा में अनुवाद कीजिए :

हमारे लिए संसार में सबसे अधिक मूल्यवान हमारा शरीर है। शरीर के द्वारा ही हम सभी काम करते हैं। इसलिए शरीर का स्वस्थ रहना बहुत जरूरी है। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए व्यायाम करना आवश्यक है। व्यायाम से शरीर मजबूत और सुड़ौल बनता है। अंग-अंग में स्फूर्ति आती है। शरीर में आलस्य नहीं रहता।

भाषा-सज्जता

- **सर्वनाम :** आप सर्वनाम एवम् उसके प्रकार पढ़ चुके हैं। अब निम्नलिखित वाक्यों में सर्वनाम शब्द छाँटिएँ तथा उनके प्रकार भी बताइए।

(1) हम पाठशाला जाएँगे।

(2) यह मेरी किताब है।

(3) कोई आ रहा है।

(4) तुम्हें क्या चाहिए ?

(5) यह मीना है जिसने कल गीत गाया था।

(6) मैं स्वयं चला जाऊँगा।

➔ **निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों को ध्यान से पढ़िए :**

एकवचन	**बहुवचन**
(1) मैं कल गाँव जाऊँगा।	हम कल गाँव जाएँगे।
(2) मेरी किताब कहाँ है ?	हमारी किताबें कहाँ हैं ?
(3) उसे कल बुखार था।	उन्हें कल बुखार था।
(4) यह कौन है ?	ये कौन हैं ?
(5) तुझे क्या चाहिए ?	तुम्हें क्या चाहिए ?

उपर्युक्त रेखांकित शब्द – मैं,मेरी, उसे, यह, तुझे सर्वनाम के एकवचन रूप हैं जबकि हम, हमारी, उन्हें, ये और तुम्हें उनके बहुवचन रूप हैं। कोष्ठक में दिए गए सर्वनाम शब्दों के उचित रूप से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

(1) यह कार्य __________ नहीं हो सकेगा । (मैं)

(2) पापा ने __________ बुलाया है। (तुम)

(3) जो लड़की वहाँ खड़ी है, मैं __________ नहीं जानता। (वह)

(4) लगता है __________ मेरी बात अच्छी नहीं लगती। (यह)

(5) यह काम __________ लोगों ने किया ? (कौन)

योग्यता-विस्तार

- डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम द्वारा लिखित 'अदम्य साहस', 'अग्नि की उड़ान', 'भारत-2020 नवनिर्माण की रूपरेखा', 'हम होंगे कामयाब' आदि पुस्तकें पढ़िए।
- एक छात्र के रूप में राष्ट्र के विकास में आप क्या योगदान कर सकते हैं, इस पर चर्चा कीजिए।